**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**28.12.2018 के**

**अतारांकित प्रश्‍न सं. 1914 का उत्‍तर**

**डिस्पोज़ेबल तकिए के कवर**

**1914. डा. प्रकाश बांडाः**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या रेलगाड़ियों में यात्रियों की सुविधाएं और स्वच्छता के स्तर में सुधार करने के लिए रेल नए डिस्पोज़ेबल तकिए के कवर तथा नैपकिन देने पर विचार कर रहा है;

(ख) क्या सीएजी की रिपोर्ट में यह उल्लेख किया गया था कि रेल यात्रा के दौरान एक ही कंबल का अलग-अलग बार कई रेल यात्रियों द्वारा इस्तेमाल किये जाने के कारण वे कंबल अस्वास्थ्यकर हो चुके थे क्योंकि उन्हें छः माह तक धोया नहीं गया था जबकि उन्हें हर एक या दो माह में धोने का निदेश है; और

(ग) यदि हां, तो यात्रियों की सुविधाओं तथा स्वच्छता को बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों सहित तत्‍संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्‍तर**

**रेल मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (श्री राजेन गोहांई)**

(क): एसी सवारी डिब्बों में हैन्ड/फेस टॉवल के स्थान पर लागत निष्प्रभावी आधार पर डिस्पोजेबल नैपकिन की शुरुआत की गई है। बहरहाल, डिस्पोजेबल पिलो कवर्स की शुरुआत करने की ऐसी कोई योजना नहीं है।

(ख) और (ग): नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक ने 2017 की अपनी रिपोर्ट संख्या 14 में यह उल्लेख किया है कि कम्बलों को काफी लंबे समय से ड्राईक्लीन और/अथवा सैनिटाइज़ नहीं किया गया था।

कम्बलों की दो माह में एक बार ड्राइक्लीन अथवा धुलाई करना अपेक्षित था।

एसी सवारी डिब्बों में कम्बलों से संबंधित विशिष्टियों की हाल ही में समीक्षा की गई और उसमें सुधार किया गया, धुलाई की बारम्बारता बढ़ाकर एक माह में एक बार कर दी गई और उनकी सेवा अवधि चार वर्ष से घटाकर दो वर्ष कर दी गई ताकि यात्रियों को साफ सुथरे और अधिक स्वच्छ कम्बल मुहैया करा सकें। गाड़ियों में यात्री सुख सुविधाओं और सफाई व्यवस्था में सुधार के लिए भारतीय रेल द्वारा किए गए कुछ अन्य महत्वपूर्ण उपाय निम्नानुसार हैं:-

1. परियोजना स्वर्ण और परियोजना उत्कृष्ट के अंतर्गत मौजूदा गाड़ियों के निर्धारित रेकों में शौचालयों सहित सवारी डिब्बों का अपग्रेडेशन और हमसफर गाड़ियों और अन्त्योदय गाड़ियों जैसी बेहतर यात्री सेवाओं की शुरुआत करना।
2. वातानुकूलित सवारी डिब्‍बों के अलावा गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्‍बे में भी कूड़ेदान रखने की व्‍यवस्‍था की जा रही है।
3. चेन के साथ मग की व्यवस्था के अतिरिक्‍त, सभी नए वातानुकूलित और गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्बोंमें लाभप्रद नल की व्‍यवस्‍था।

(iv) सवारी डिब्‍बे में जैव-शौचालयों की संस्‍थापना की गति तेज कर दी गई है। 2019 तक भारतीय रेल के पूरे बड़ी लाइन के कोचिंग बेड़े में जैव-शौचालय संस्‍थापित करने की याजना बनाई गई है।

(v) लगभग 145 कोचिंग डिपो में पेशेवर एजेंसियों के माध्‍यम से दोनों छोरों पर शौचालयों सहित सवारी डिब्बों की सफाई।

(vi) गाड़ियों के चालन के दौरान सवारी डिब्बों के शौचालयों, दरवाजों, गलियारों और यात्री कंपार्टमेंट की सफाई के लिए राजधानी, शताब्‍दी और लंबी दूरी की अन्‍य महत्‍वपूर्ण मेल/ एक्‍सप्रेस गाडियों सहित लगभग 1050 से अधिक जोड़ी गाडियों में ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग सेवा (ओबीएच) उपलब्‍ध कराई गई है।

(vii) लगभग 1000 जोड़ी ओबीएचएस गाड़ियों में 'कोच मित्र' सुविधा शुरू की गई है। यात्रियों की सवारी डिब्बों से संबंधित आवश्यकताओं जैसे कि सफाई, कीटाणुनाशन, लिनन, गाड़ी प्रकाश व्यवस्था, वातानुकूलन और कोचों में जल भराई करने के लिए 'कोच मित्र' एकल खिड़की व्‍यवस्‍था है।

(viii) बिस्तरों की धुलाई की गुणवत्ता में सुधार के लिए रेलों पर 57 स्थानों पर मशीनीकृत लॉन्ड्रियों की स्थापना की गई है।

(ix) सवारी डिब्बों का कीटनाशन उपचार और कृंतक नियंत्रण उपाय निर्धारित कार्यक्रमों के अनुसार नियमित रूप से किए जाते हैं।

\*\*\*\*\*